

समाप्ति/सर्वनाश जैसे- बाढ़ से खेतों की फसल सफाचट हो गई।

**सफाया** पुं. (देश.) 1. जीवों/प्राणियों का पूरी तरह विनाश, संहार; वन्य पशुओं का सफाया 2. धन-सम्पत्ति आदि का नाश या समाप्ति, पुत्र द्वारा पैतृक सम्पत्ति का सफाया।

**सफीना** पुं. (देश.) 1. बही, किताब 2. अदालत का लिखा हुआ परबाना, हुक्मनामा 3. नौका।

**सफीर** पुं. (अर.) 1. राजदूत 2. संदेशवाहक 3. पत्रवाहक स्त्री. 1. चिड़ियों के बोलने की आवाज 2. 'सीटी' विशेष रूप से पक्षियों व साथियों को अपने पास बुलाने के लिए बजाई जाती है।

**सफील** स्त्री. (अर.) 1. पक्की चहारदीवारी 2. परकोटा 3. शहरपनाह।

**सफेद** वि. (फा.) 1. जो श्वेत रंग का हो अधिक गोरा जैसे- सफेद बर्फ, सफेद बेला का फूल, सफेद बाल 2. उज्ज्वल, शुभ्र, उजला, सफेद चट्टर 3. कोरा, जिस पर कुछ लिखा न हो 4. जल की पारदर्शिता, रंगहीनता।

**सफेद झूठ** वि. (देश.) जो पूरी तरह झूठ हो अर्थात् जो ऊपर से देखने पर या सुनने पर ही बिल्कुल झूठ लगता हो।

**सफेद दूब** स्त्री. (फा.+तद्.) जमीन पर उगने वाली सफेद घास जो कहीं कहीं उगती है और औषधि तथा पूजन विशेष में काम आती है।

**सफेद निशोथ** पुं. (फा.+तत्.) एक ओषधीय लता या पुष्प लता या पुष्प के रंग के आधार पर निशोथ के भी तीन भेद प्रसिद्ध हैं 1. सफेद निशोथ 2. काली निशोथ 3. लाल निशोथ।

**सफेद पलका** पुं. (फा.+तद्.) एक कबूतर जिसके पैर कुछ सफेद तथा काले होते हैं।

**सफेद पोश** वि. (फा.) 1. श्वेतवस्त्र धारक 2. सफेद वस्त्र पहनने वाला 3. ऊँचे घराने का कुलीन 4. शिक्षित व सभ्य।

**सफेद सुरमा** पुं. (फा.) चिरोड़ी नामक एक खनिज पदार्थ जो सफेद रंग का होता है।

**सफेद हाथी** पुं. (फा.+तद्.) 1. म्यांमार देश में पाया जाने वाला सफेद रंग का हाथी ला.अर्थ. 1. वह सरकारी अधिकारी जिसका वेतन तो बहुत अधिक हो किंतु उसका उपयोग न के बराबर हो 2. ऐसा सरकारी विभाग जिस पर व्यय तो बहुत अधिक हो किंतु उपयोग की दृष्टि से शून्य हो।

**सफेदा** पुं. (फा.) 1. जश्ते की भस्म 2. जश्ते के चूर्ण से बनाया जाने वाला एक प्रकार का सफेद रंग जो लकड़ी आदि रंगने के काम आता है 3. सुगंधित पत्तियों वाला एक लंबा वृक्ष जिसका तेल औषधि के रूप में प्रयुक्त होता है 4. आम की एक किस्म।

**सफेदी** स्त्री. (फा.) 1. सफेद रंग की, धवलता 2. शुभ्रता 3. मकान की दीवारों में की जाने वाली सफेद चूना से पुताई 4. बालों के सफेद हो जाने की स्थिति 5. ला.अर्थ. प्रौढ़ावस्था या वार्धक्य के लक्षण।

**सफेदो स्याह** वि. (फा.) 1. सफेद और काला/काला सफेद 2. भला-बुरा 3. हानि-लाभ 4. लिखित।

**सफ्तालू** पुं. (देश.) 1. शफ्तालू 'एक प्रकार का फल' 2. आड़ू।

**सबंध** वि. (तत्.) बंधपत्र से युक्त, जिसके लिए कोई लिखित जमानत दी गई हो या लिखित बंधपत्र।

**सब** पुं. (तद्.) मान, गणना, मात्रा, अवधि आदि के विचार से जितना है वह कुल जैसे- 1. यहाँ के सब छात्र कंप्यूटर में कुशल हैं 2. सब का वजन 5 किलो है 3. वहाँ सब दिन अतिथि आते रहते हैं 4. यहाँ सब वंदनीय हैं।

**सबक** पुं. (फा.) 1. अध्ययनकाल में वह अंश जितना एक बार में पढ़ाया जा सके, पाठ 2. शिक्षा, नसीहत।

**सबकत** स्त्री. (फा.) 1. किसी अन्य की अपेक्षा आगे बढ़ जाना 2. किसी विषय में विशेषता प्राप्त करना।